

तारीख हुक्म

हुक्म या कार्यावाही मय इनिशियल्स जन

२००३/५५५०

15-09-25

एकल-पीठ
श्री मदनलाल नेहया, सदस्य

वकील प्रार्थी एवं प्रार्थी स्वयं को बार-बार, रुक-रुककर आवाजे लगाई गई। कोई उपस्थित नहीं हुआ। अतः उक्त प्रकरण को अदम हाजिरी व अदम पैरवी में स्मॉरिज किया जाता है। पत्रावली फ़ैसल शुमार होकर नंबर से कम हो।

आदेश सुनाया गया।



राजेंद्र भद्रज रत्नस्थान
अजमेर